मध्यप्रदेश समसामयिकी

07 January 2025

कला और संस्कृति

स्टालिन ने सिंधु घाटी लिपि को समझने के लिए 1 मिलियन डॉलर का पुरस्कार घोषित किया

- **संदर्भ:** तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने प्राचीन सिंधु घाटी लिपि के सफल रूप से समझने के लिए 1 मिलियन डॉलर का पुरस्कार घोषित किया है।
- इस पहल का उद्देश्य पुरातात्विक इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण रहस्यों को सुलझाना है, और यह तमिलनाडु के द्रविड़ीय धरोहर और सांस्कृतिक पहचान को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

मुख्य बिंदु:

सिंधु घाटी सभ्यता का महत्व:

- लगभग 2600–1900 ईसा पूर्व के आसपास भारत और पाकिस्तान के वर्तमान क्षेत्रों में अवस्थित।
- इसे, इसके उन्नत शहरी योजना, व्यापार नेटवर्क और अप्रयुक्त लिपि के लिए जाना जाता है।
- मुहरों, मिट्टी के बर्तनों और अन्य कलाकृतियों पर हजारों शिलालेख पाए गए हैं।

लिपि को समझने में चुनौतियाँ:

- शिलालेख आमतौर पर छोटे हैं, जिनमें 30 से कम प्रतीक हैं।
- भाषाई संरचना या संबंध पर कोई सहमति नहीं है।

संभावित भाषाई संबंध:

- कई शोधकर्ता सिंधु लिपि और द्रविड़ीय भाषा परिवार के बीच संबंध की संभावना व्यक्त करते हैं, जिससे यह पहल तमिलनाडु के लिए सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बन जाती है।

ONLYIAS BY PHYSICS WALLAH

राजनीति और शासन

ड्राफ्ट डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण नियम: डिजिटल अधिकारों की सुरक्षा की दिशा में एक कदम

समाचार में क्यों:

- इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 (डीपीडीपी अधिनियम) के कार्यान्वयन को सुगम बनाने के लिए डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण नियम, 2025 का मसौदा तैयार किया है। 18 फरवरी, 2025 तक जनता से सुझाव/टिप्पणियां मांगी गईं.

मुख्य विशेषताएँ

नागरिक-केंद्रित ढांचा:

- डेटा नियंत्रकों (Data Fiduciaries) के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश, जो सूचित सहमति, डेटा को मिटाने के अधिकार और सुलभ शिकायत निवारण तंत्र सुनिश्चित करते हैं।

पालक नियंत्रण:

- माता-पिता और अभिभावकों को बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा सुनिश्चित करने का अधिकार दिया गया है।

नवाचार और विनियमन के बीच संतुलन:

- नियम व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा और नवाचार को बढ़ावा देने के बीच एक अनूठा संतुलन बनाते हैं। स्टार्टअप्स और MSMEs के लिए कम अनुपालन बोझ सुनिश्चित करता है कि आर्थिक वृद्धि के साथ सुगम विस्तार हो।

डिजिटल-प्रथम दृष्टिकोण:

- नियम "डिजिटल बाय डिज़ाइन" (Digital by Design) दृष्टिकोण अपनाते हैं, जिसमें शामिल हैं:
- सहमति प्रक्रिया और शिकायत निवारण, गति और पारदर्शिता।
- डेटा संरक्षण बोर्ड के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म, जो जीवन और व्यवसाय को आसान बनाने पर केंद्रित है।

अर्थव्यवस्था

भारत में आय असमानता: रुझान और अंतर्दृष्टि

समाचार में क्यों:

- हाल ही में डेटा विश्लेषण ने भारत में महामारी के दौरान और उसके बाद आई आय असमानता के महत्वपूर्ण रुझानों को उजागर किया है। इन अंतर्दृष्टियों ने धन वितरण की बदलती गतिशीलता को रेखांकित किया है।

मुख्य बिंदु

शीर्ष 10 प्रतिशत:

- 2022-23 में हल्की गिरावट के साथ 30.6% पर आने के बावजूद, शीर्ष 10% कमाई करने वालों की राष्ट्रीय आय में एक महत्वपूर्ण हिस्सेदारी बनी हुई है, जो संपत्ति के गहरे एकत्रीकरण को दर्शाती है।

निचला 10 प्रतिशत:

- महामारी ने उनकी कमजोरियों को बढ़ा दिया, जिससे उनकी आय हिस्सेदारी 2020-21 में घटकर 1.1% हो गई, जो डेटासेट में दर्ज सबसे कम स्तर है। हालांकि, 2022-23 में 2.4% तक मामूली सुधार ने धीरे-धीरे सुधार की उम्मीद जगाई है।

शीर्ष 1 प्रतिशत:

- इस समूह ने महामारी के दौरान अपनी आय हिस्सेदारी में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की, जो 2020-21 में 9.0% तक पहुंच गई। इसके बाद 2022-23 में यह मामूली गिरावट के साथ 7.3% पर आ गई।

मध्य प्रदेश विशेष

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 66 मोबाइल मेडिकल यूनिट्स को हरी झंडी दिखाई

समाचार में क्यों:

- 6 जनवरी को, प्रधानमंत्री जनमन अभियान के तहत, मध्य प्रदेश सरकार ने 66 मोबाइल मेडिकल यूनिट्स (MMUs) शुरू कीं। इनका उद्देश्य दूरदराज और उपेक्षित क्षेत्रों में आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है।
- यह कार्यक्रम 21 जिलों के 87 विकासखंडों के 1,268 गांवों को कवर करेगा, जिससे लगभग 3.12 लाख लोग लाभान्वित होंगे।

स्वास्थ्य सेवा सशक्तिकरण: सर्वोच्च प्राथमिकता

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जोर दिया कि स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

- 46,000 से अधिक स्वास्थ्य कर्मियों की भर्ती को पहले ही मंजूरी दी जा चुकी है, और प्रक्रिया को शीघ्रता से पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

इस पहल के तहत कवर किए गए जिले

- इस अभियान से निम्नलिखित जिलों को लाभ होगा:
- अनूपपुर, अशोकनगर, बालाघाट, छिंदवाड़ा, दतिया, डिंडोरी, गुना, ग्वालियर, कटनी, मंडला, मुरैना, नरसिंहपुर, सतना, शहडोल, श्योपुर, सीधी, शिवपुरी, जबलपुर, रायसेन, उमरिया और विदिशा।

31वां राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस समापन: भविष्य के नवाचारियों के लिए मंच

- 31वां राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस (NCSC) 6 जनवरी, 2025 को भोपाल के रवींद्र भवन में बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

मुख्य बिंदु:

- चार दिवसीय कार्यक्रम का मुख्य विषय **"स्वास्थ्य और कल्याण के लिए पारिस्थितिक तंत्र को समझना"** था, जो छात्रों को उनके वैज्ञानिक नवाचार प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।
- इसमें 640 से अधिक छात्रों ने भाग लिया और 194 परियोजनाएँ प्रस्तुत कीं, जिनमें 10 अंतरराष्ट्रीय नवाचार भी शामिल थे।
- राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस ने 20 सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय और 6 अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं को मान्यता दी, छात्रों को उनकी रचनात्मकता के लिए पुरस्कृत किया और उनके व्यावहारिक उपयोग को प्रोत्साहित किया।

PW ONLYIAS BY PHYSICS WALLAH

दैनिक करेंट अफेयर्स से संबंधित महत्वपूर्ण प्रश्न

1. किस भारतीय राज्य ने सिंधु घाटी लिपि को समझने के लिए 1 मिलियन डॉलर का पुरस्कार घोषित किया?

A. केरल
B. तमिलनाडु
C. कर्नाटका
D. आंध्र प्रदेश

उत्तर- B

2. 31वें राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस (NCSC) का मुख्य विषय क्या था?

A. विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचार
B. स्वास्थ्य और कल्याण के लिए पारिस्थितिक तंत्र को समझना
C. शिक्षा में डिजिटल परिवर्तन
D. जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा संरक्षण

उत्तर- B